नियंत्रण के माध्यम से परस्पर संबंध और आर्थिक निर्भरता के माध्यम से परस्पर संबंध के बीच संबंध और समूहन आवश्यकताओं का चित्रण

निम्नलिखित उदाहरण एक-तरफ़ा निर्भरता और दो-तरफ़ा निर्भरता के मामले में समूहों के निर्माण का चित्रण करते हैं।

क) उदाहरण के लिए, विचार करें कि ए1 और ए2 को ए नियंत्रित करता है और बी1 को बी नियंत्रित करता है, और बी1 आर्थिक रूप से ए2 पर निर्भर है (केवल एक तरफ से निर्भरता यानी ए2 पर वित्तीय कठिनाइयां बी1 को प्रभावित कर सकती हैं, लेकिन इसके विपरीत नहीं)। इस स्थिति में, बी1 ए और बी के दो अलग-अलग समूहों का हिस्सा होना चाहिए।

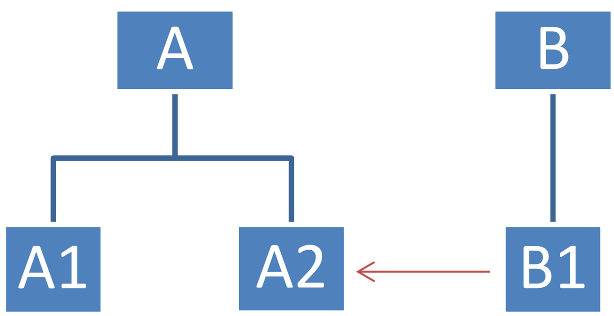

समूहन आवश्यकताएं:

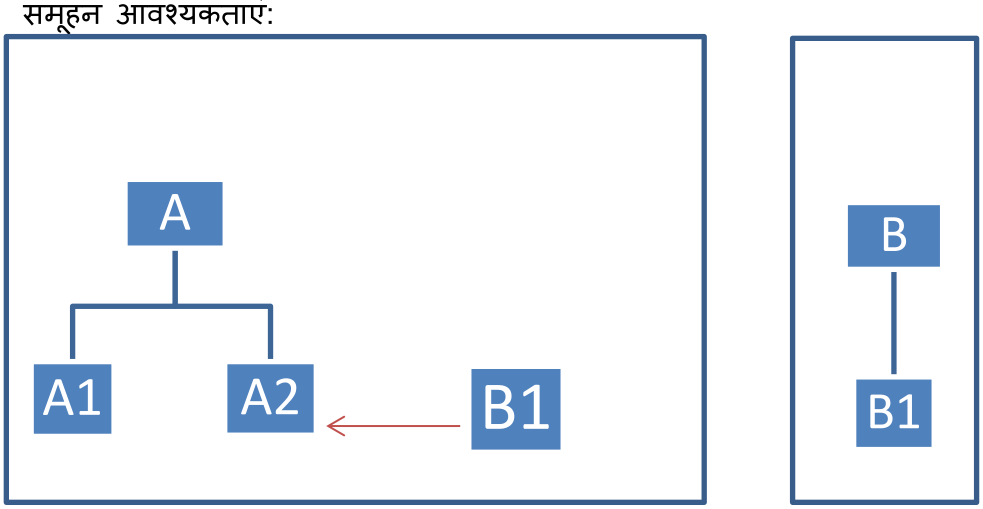

i) ए, ए1, ए2, ii) बी, बी1, iii) ए2, बी1 के तीन अलग-अलग समूह पर्याप्त नहीं हो सकते हैं क्योंकि ए2 की वित्तीय कठिनाइयों से बी1 के लिए भी मुश्किलें पैदा होने की संभावना है जोकि आर्थिक रूप से ए2 पर निर्भर है (जो कि इसके उलट ए पर निर्भर है) ।

ख) उपरोक्त उदाहरण में, विचार करें कि ए2 और बी1 में दो-तरफा आर्थिक निर्भरता है यानी दोनों आर्थिक रूप से एक-दूसरे पर निर्भर हैं, जिसका अर्थ है कि किसी भी इकाई में वित्तीय कठिनाई दूसरी इकाई को प्रभावित कर सकती है।

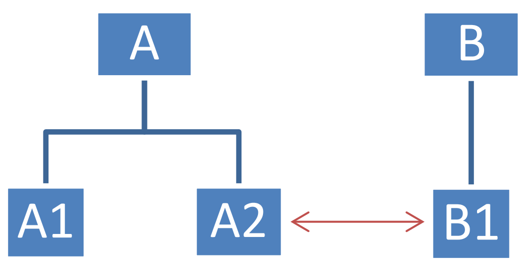

समूहन आवश्यकताएं:

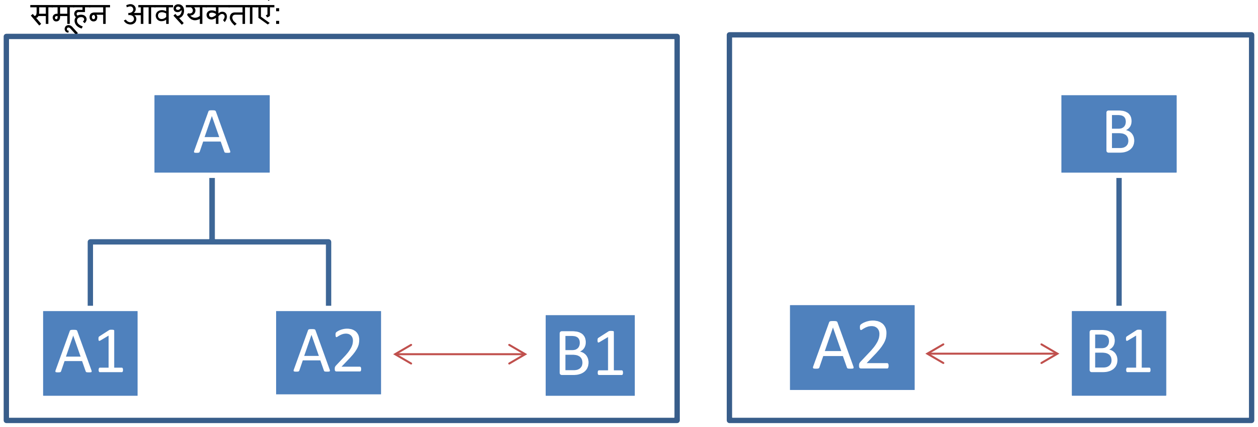

निम्न संक्रमण (डाउनस्ट्रीम कंटेजिअन)

निम्न संक्रमण को तब माना जाना चाहिए जब एक इकाई आर्थिक रूप से किसी अन्य इकाई पर निर्भर हो और वह स्वयं एक नियंत्रण समूह का प्रमुख हो। यदि अन्य इकाई जुड़े हुए क्लाइंट्स के समूह का हिस्सा है, तो आर्थिक रूप से निर्भर इकाई के नियंत्रण समूह को जुड़े समकक्षों के समूह में शामिल किया जाना चाहिए, जिसमें आर्थिक निर्भरता संबंध मौजूद है। अपनी स्वयं की लंबित भुगतान कठिनाइयों को दूर करने के लिए, आर्थिक रूप से निर्भर इकाई द्वारा नियंत्रित संस्थाओं से संसाधनों को वापस लेने की संभावना है, इस प्रकार निम्न संक्रमण का जोखिम बढ़ता है।

क) उदाहरण के लिए, विचार करें कि ए1 और ए2 को ए नियंत्रण करता है, बी1 को बी नियंत्रित करता है और बी2 और बी3 को बी1 नियंत्रित करता है। इसके अलावा, विचार करें कि बी1 की ए2 पर एकतरफा आर्थिक निर्भरता है। यदि ए2 को वित्तीय कठिनाई का सामना करना पड़ता है, तो यह बी1 पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है, जो तब इसके नियंत्रित संस्थानों बी2 और बी3 से संसाधनों को वापस लेने की संभावना है।

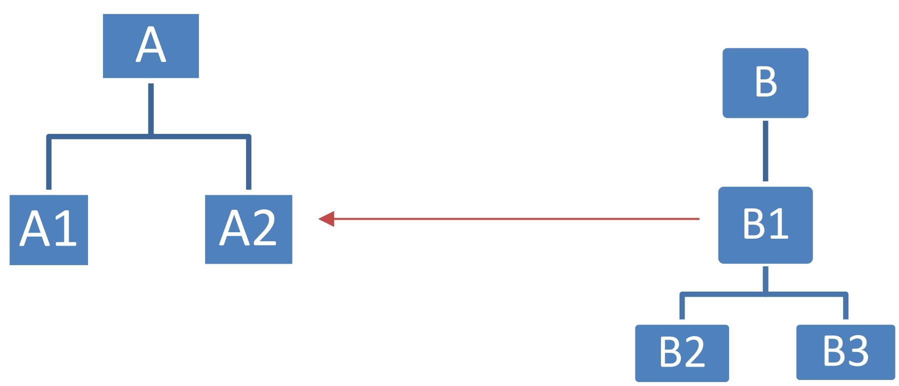

समूहन आवश्यकता:

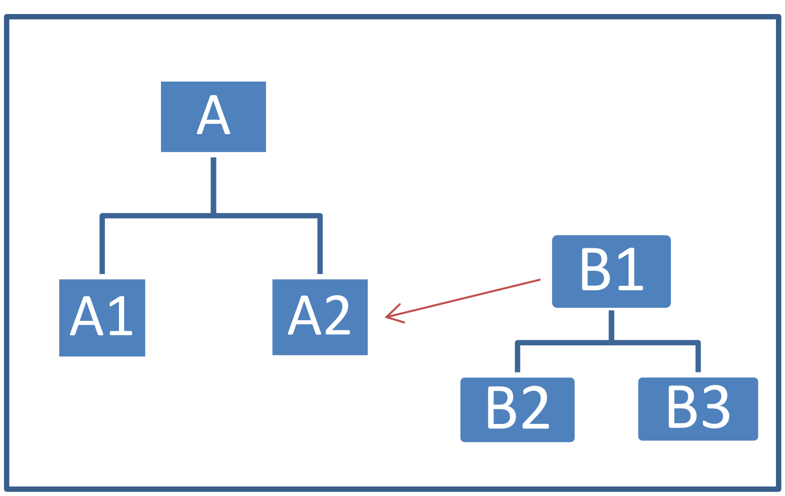

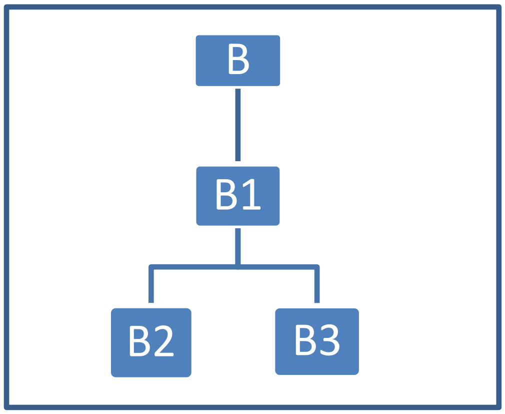

उच्च संक्रमण (अपस्ट्रीम कंटेजिअन)

दूसरी ओर, आर्थिक रूप से निर्भर इकाई को नियंत्रित करने वाली संस्थाओं के उच्च संक्रमण को केवल तभी माना जाना चाहिए जब नियंत्रित इकाई आर्थिक रूप से उस इकाई पर भी निर्भर हो जो दो नियंत्रित समूहों के बीच आर्थिक संबंध का गठन करती है।

क) उदाहरण के लिए, निम्न संक्रमण के उपरोक्त उदाहरण में, यदि बी1 बी के लिए इतना महत्वपूर्ण है कि एक अर्थ में बी, बी1 पर भी निर्भर है, तो ए का संक्रमण ए →ए2→बी1→बी के माध्यम से बी तक भी फैल सकता है। ये सभी इकाइयाँ एकल समूह बनाएंगी।

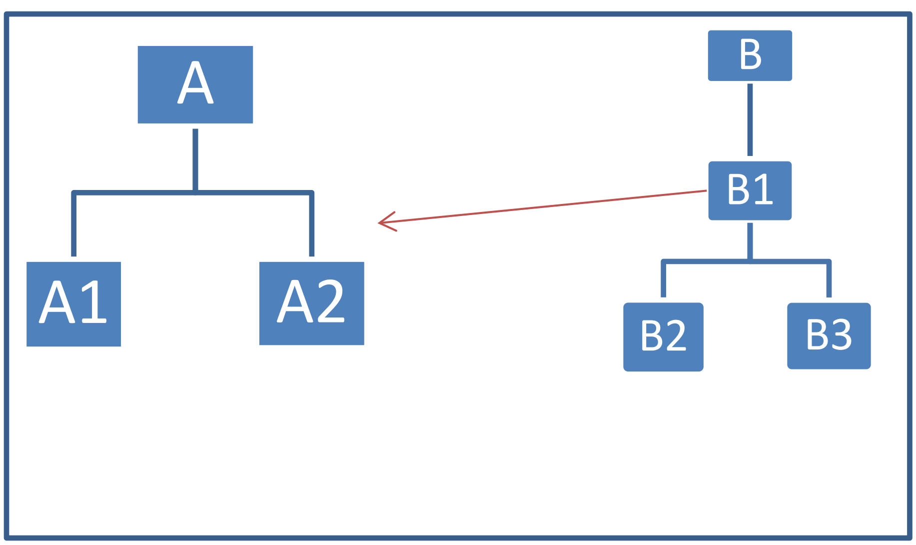

जुड़े प्रतिपक्षकारों के समूहों को तैयार करने की सीमाएं

यदि बैंक के पास सभी इकाईयों के लिए एक्सपोज़र नहीं है, तो जुड़े हुए प्रतिपक्षकारों के समूह का सटीक रूप से निर्माण करना मुश्किल हो सकता है। ऐसे समूहों का निर्माण सर्वोत्तम प्रयासों के आधार पर किया जाएगा और बैंकों को प्रासंगिक जानकारी एकत्र करने और उनका उपयोग करने के लिए उचित कदम उठाने चाहिए; इसमें सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी (जैसे कि वार्षिक वित्तीय विवरण), इकाइयों के ग्राहकों से परे जानकारी और साथ ही सामान्य जानकारी शामिल है जो आमतौर पर व्यक्तिगत ऋण अधिकारियों और संबंध प्रबंधकों के स्तर पर विद्यमान हैं। यदि उन संस्थाओं में आपस में संबंध हैं जो बैंक के ग्राहक नहीं हैं, तो बैंक के लिए सही समूह बनाना मुश्किल हो सकता है। हालाँकि, बैंक को ऐसी कोई भी जानकारी शामिल करनी चाहिए जो सार्वजनिक रूप से या उसके क्लाइंट के बाहर अन्य क्लाइंट या संस्थाओं के माध्यम से उपलब्ध हो।

क) उदाहरण के लिए, नीचे दिखाए गए चित्रण में, यदि बैंक के पास ए और बी5 का ही एक्सपोज़र है, तो सही समूह बनाना मुश्किल हो सकता है।